हिन्दी साप्ताहिक दैनिक — जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–202 : जौनपुर, शुक्रवार 14 अप्रैल 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

बाबा साहेब के सपनों को साकार कर रही मोदी सरकार –मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ ब्यूरो : बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ना केवल भारत बल्कि दुनिया के सभी दमित, शोषित और वंचितों की आवाज हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए दुनिया का सबसे बड़ा संविधान बनाकर उन्होंने एक नये युग का सूत्रपात किया। दुनिया में किसी भी पीड़ित को आवाज देनी हो बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर हमेशा प्रकाश पुंज के रूप में उदाहरण होते हैं। वंचितों का उत्थान अब केवल नारा नहीं है, बाबा साहेब का सपना आज धरातल पर साकार होता दिख रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर अंबेडकर महासभा की ओर से आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। इससे पूर्व उन्होंने हजरतगंज स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें प्रदेश सरकार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। बाबा साहेब ने वंचितों को अपनी आवाज की धार दी अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित विश्विविद्यालय से उच्च शिक्षा की डिग्री हासिल की। इसके बावजूद उन्हें उन विकृतियों और सामाजिक कुरीतियों का सामना करना पड़ा, जो भारतीय समाज को सदैव कमजोर करती रही। मगर उनकी परवाह ना करते हुए वंचितों की आवाज बनकर तथा उन्हें अपनी आवाज की धार देकर उनकी लड़ाई को लड़ने का कार्य किया। उसी का प्रभाव है कि पूरा देश सदैव कृतज्ञ भाव से उन्हें नमन करता है। बाबा साहेब के नाम पर इस देश में राजनीति तो बहुत से लोगों ने की, मगर उनके सपनों को साकार करने का कार्य केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। उनसे जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। चाहे महू हो, दिल्ली, मुम्बई, इंग्लैंड का वह भवन जहां रहकर उन्होंने उच्च शिक्षा हासिल की या नागपुर की दीक्षा भूमि, इन सभी स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने का कार्य किया गया। कभी दबंग पानी नहीं पीने देते थे, आज हम घर शुद्ध पेयजल पहुंचा रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना भेदभाव के 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन देने का कार्य हो, करोड़ों गरीबों को आवास देना हो, निःशुल्क विद्युत कनेक्शन, उज्ज्वला योजना का लाभ, 50 करोड़ से ज्यादा गरीबों को आयुष्मान योजना का लाभ और करोड़ों गरीबों को पीएम स्वामित्व योजना का लाभ मिला है। बाबा साहेब का ये सपना ये केवल नारों तक नहीं, बल्कि हकीकत के रूप में धरातल पर उतरा है। मुख्यमंत्री ने हर घर नल योजना का जिक्र करते हुए कहा कि आज प्रदेश में एक करोड़ लोगों को इससे जोड़ा जा चुका है। एक समय था जब दबंग लोग गरीबों को पानी नहीं पीने देते थे। सरकारी हैंडपंप से भी पानी

नहीं लेने दिया जाता था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से हम एक–एक गरीब को उनके घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाने का काम कर रहे हैं। ये कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहे हैं, बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ आज हर दमित, शोषित और वंचित को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर सरकारी कार्यालय में लगा बाबा साहेब का चित्र हमें अपने संवैधानिक कर्तव्यों का अहसास दिलाता है। आज हम केवल संवैधानिक अधिकारों की नहीं बल्कि देश के प्रति अपने संवैधानिक कर्तव्यों की बात भी करने लगे हैं। बहुत जल्द अंबेडकर महासभा के पास होगा अपना भव्य स्मारक मुख्यमंत्री ने अंबेडकर महासभा के अध्यक्ष एमएलसी डॉ लालजी प्रसाद निर्मल को बधाई देते हुए कहा कि उनके प्रस्तावों को ध्यान में रखकर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कर कमलों से बाबा साहेब स्मारक एवं सांसकृतिक केंद्र को बनाने का कार्य अब अंतिम चरण में है। बहुत जल्द अंबेडकर महासभा के पास अपना भव्य स्मारक होगा, जो पत्थरों का नहीं बल्कि बाबा सहेब के विचारों और उनकी प्रेरणाओं का केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने सभी को प्रेरणा दी थी कि शिक्षित बनो, अपने हक के लिए लड़ो और उच्च आदर्शों का पालन करो। ये आवाज दबनी नहीं चाहिए। सीएम ने इस अवसर पर सबको आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार दमित, गरीब, वंचित और हर उस तबके के हितों के लिए कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है जो पहले शोषण का शिकार होता था, पीड़ित था और जिसे अपमानित किया जाता था। आज उन्हें कोई अपमानित नहीं कर सकता। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, असीम अरुण, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री, अंबेडकर महासभा के अध्यक्ष लालजी प्रसाद निर्मल, उपाध्यक्ष रामनरेश चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिस्ट्रीशीटर ने बिना रकम दिए जबरन लिखवा ली करोड़ों की जमीन : किया गया मुकदमा दर्ज

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में चौरीचौरा थाने के हिस्ट्रीशीटर व फुटहवा इनार निवासी पिंटू जायसवाल ने बिना रुपये दिए ही जमीन की रजिस्ट्री करा ली। आरोप है कि 1.12 करोड़ रुपये कीमत की जमीन के बदले एक रुपया भी नहीं दिया गया। जनता दरबार में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, चौरीचौरा थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरी खास निवासी खेदू ने मुख्यमंत्री जनता दरबार में प्रार्थना पत्र दिया था। बताया था कि सोनबरसा खुर्द स्थित 0.339 हेक्टेयर जमीन को पिंटू पुत्र राजाराम जायसवाल से 1.12 करोड़ में बेचने का उसने सौदा किया था। 27 मार्च 2023 को पिन्टू जायसवाल ने चौरीचौरा तहसील में स्टैंप पेपर तैयार करा लिया। पीड़ित ने उससे कहा कि बैनामे में 1.12 करोड़ रुपये में खरीदने की बात नहीं लिखा है। जिस पर पिन्टू जायसवाल ने कहा कि इतना ज्यादा पैसा रजिस्ट्री में दिखाएंगे तो स्टांप शुल्क ज्यादा लगेगा और उसने दस लाख रुपये का चेक दिया। कहा कि बाकी एक करोड़ दो लाख रुपया बैंक खाते में धीरे–धीरे जाता रहेगा। उसकी बातों का विश्वास करके पीड़ित ने जमीन बैनामा कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उसने दिया गया 10 लाख का चेक भी ले लिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पैसा मांगने पर जान से मारने का धमकी दे रहा है। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। सात पर जालसाजी का केस गोरखपुर कैंट पुलिस ने बुधवार को सात लोगों पर जमीन के नाम पर रुपये लेकर हड़पने और फिर दूसरे की जमीन का बैनामा करने का केस दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक, सरदारनगर के केवला चक निवासी अमित कुमार ने तहरीर में लिखा है कि उसने अपनी जमीन का एग्रीमेंट 13 दिसंबर 2017 को शिवपुर झंगहा निवासी सुमित्रा देवी से किया था। सौदा सात लाख में तय हुआ था उसे एक लाख तत्काल दिया गया था। आरोप है कि सुमित्रा आदि ने यह जमीन फर्जी दस्तावेज लगाकर 28 दिसम्बर 2017 को दूसरे को बेच दी। पुलिस ने सुमित्रा, मुबारक अली, सुभावती देवी, अजित कुमार, पवन व राजकुमार तथा अजीत के ससुर पर केस दर्ज किया है। आठ लोगों पर धोखाधड़ी कर जमीन बेचने का केस चौरीचौरा थाना क्षेत्र के रामूडीहा निवासी अजोरा देवी पत्नी सुभाष शाह ने रिश्तेदार जयप्रकाश, द्रौपदी देवी पत्नी जय प्रकाश, वंदना पुत्री जयप्रकाश निवासी डुमरी खास सहित आठ लोगों पर जालसाजी कर जमीन बेचने का केस दर्ज कराया। आरोप है कि आरोपी रवि थापा, मुकेश कुमार को साथ लेकर आया और एक जमीन खरीदने की बात कही। जिसके झांसे में आकर महिला ने हां कह दिया। इसके बाद आरोपियों ने धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सीलिंग जमीन को संकर्मरणीय भूमिधरी बताकर 65 लाख रुपये लेकर नकली भूस्वामी शमसेर सिंह संधू, सोनू व अरविंदर कौर ने चार बार में बैनामा कर दिया। खारिज दाखिल के समय अजोरा को पता चला कि जमीन सीलिंग की है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने तहरीर के आधार पर सभी आठ आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज किया है।

पार्षद टिकट बंटवारे में भिड़े दो विधायक : रिश्तेदार के नाम पर बिगड़ा मामला

गोरखपुर ब्यूरो : भाजपा में चुनावी दंगल के पहले ही टिकट बंटवारे को लेकर जंग छिड़ गई है। पार्षद के टिकट को लेकर दो विधायक आपस में ही भिड़ गए। एक विधायक ने प्रदेश अध्यक्ष से टिकट बंटवारे में गड़बड़ी किए जाने की शिकायत भी की है। विधायक के समर्थक भी अब इस मामले को लेकर मुखर होने लगे हैं। भाजपा महानगर की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में बुधवार को खूब हंगामा हुआ। अंदरखाने की खबर है कि जब वार्ड के क्रमानुसार उम्मीदवारों के चयन पर रायशुमारी हो रही थी तो कई वार्ड पर उस क्षेत्र के विधायक अपनों की पैरवी में खूबियां गिनाने लगे और सूची में शीर्ष पर नाम रखवाने लगे। विधायकों का कहना था कि उनका क्षेत्र है तो वे बेहतर जानते हैं कि कौन सा प्रत्याशी बेहतर है और जीत सकता है। जब वार्ड नंबर 39 गायघाट, वार्ड नंबर नंबर 46 शक्तिनगर बशारतपुर और वार्ड नंबर 37 भरवलिया का नंबर आया तो मामले में पेच फंस गया। वार्ड 39 सामान्य है। यहां से ओबीसी के एक दावेदार को प्राथमिकता देने पर गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह और एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप लगा कि एक पदाधिकारी के रिश्तेदार को टिकट देने के लिए सामान्य सीट पर ओबीसी को प्राथमिकता दी गई है। देवेंद्र प्रताप सिंह ने एक पार्टी के कार्यकर्ता को दरकिनार किए जाने का आरोप लगाकर आपत्ति जता दी। दोनों विधायकों के बीच इसे लेकर जुबानी जंग छिड़ गई। आरोप–प्रत्यारोप भी शुरू हो गया। बैठक में ही विधायक ने प्रत्याशियों के चयन में धांधली का आरोप भी लगा दिया। उनके समर्थन में एक बड़े नेता भी आ गए। बहरहाल, क्षेत्रीय स्क्रीनिंग कमेटी ने बृहस्पतिवार की रात में सूची तैयार ली है। शुक्रवार की रात तक पहली सूची जारी सकती है। पर्दे के पीछे कौन है टिकट बंटवारे को लेकर जब दो विधायकों में बहस हुई तो यह चर्चा भी चली कि पूरे खेल के पीछे कोई न कोई है। कार्यकर्ताओं में भी चर्चा आम हो गई कि पर्दे के पीछे कौन है। लोग अपने–अपने तरह से नामकरण करते रहे और राजनीतिक निहितार्थ

निकालते रहे। और जब महानगर अध्यक्ष बाहर किए गए स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक जब शुरू हुई तो कमेटी के एक सदस्य और वर्तमान में जनप्रतिनिधि ने सूची देखकर महानगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता से सवाल कर दिया कि मेयर के लिए तो आपने भी आवेदन किया है। महानगर अध्यक्ष के हां जवाब मिलते ही कुछ सदस्यों ने कहा कि तब आप बैठक में बैठ नहीं सकते हैं। जिसके बाद वे बैठक छोड़कर बाहर चले गए। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि वार्ड की टिकट वितरण की प्रक्रिया में निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई है। सामान्य वर्ग की सीट पर ओबीसी के उम्मीदवार को सूची में प्राथमिकता दी गई है। जो सदस्य भी नहीं है और उनकी भी पैरवी स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य और ग्रामीण क्षेत्र के विधायक कर रहे थे। कई वार्ड में इस तरह की गड़बड़ी की गई है। इसका मैंने विरोध किया है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को ई–मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से सारी जानकारी दे दी है। पार्षद आप लोग निर्धारित कर लें, मेयर मैं देख लूंगा बैठक में जिले के प्रभारी और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद थे। अंदरखाने की खबर है कि उन्होंने सदस्यों से कह दिया कि पार्षद आप लोग देख लें, मेयर वाले पर हम बात करेंगे। फिर उन्होंने राज्यसभा सदस्य डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, एमएलसी डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह से भी अलग–अलग सुझाव लिया। देर रात तक क्षेत्रीय कार्यालय पर लगी रही भीड़ रानीडीहा स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय पर बृहस्पतिवार को गोरखपुर महानगर और देवरिया के दावेदारों की स्क्रीनिंग देर रात तक चली। अंदर कमरे में क्षेत्रीय प्रभारी एमएलसी अनूप गुप्ता, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष, प्रभारी नामों पर चर्चा कर रहे थे और बाहर पार्टी के नेता, दावेदार डेरा जमाए हुए थे।

कसारी मसारी कब्रिस्तान में दफन किया जाएगा असद और गुलाम का शव : जनाजे में शामिल नहीं हो सकेगा अतीक

प्रयागराज ब्यूरो : माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और गुर्गे गुलाम के शवों का अंतिम संस्कार दोपहर बाद कसारी मसारी कब्रिस्तान में किया जाएगा। इसकी तैयारियां पूरी की जा रही हैं और कब्र खोदने का काम सुबह से ही चल रहा है। कसारी मसारी कब्रिस्तान अतीक अहमद के घर के कुछ ही दूर पर स्थित है। मजदूरों के द्वारा सुबह से ही कब्र खोदने का कार्य किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि असद और गुलाम का शव दोपहर बाद प्रयागराज पहुंचेगा। पुलिस अपनी सुरक्षा में शव को प्रयागराज लाएगी। यहां पर अतीक के परिजनों को शव को सुपुर्द किया जाएगा। इसके बाद परिवार के लोग सुपुर्द ए खाक करेंगे। यह भी कहा जा रहा है कि परिजनों को शव न सौंपकर पुलिस अपनी मौजूदगी में ही दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कराएगी। जनाजे में शामिल नहीं हो सकेगा परिवार का कोई भी सदस्य असद के जनाजे में उसके परिवार का कोई भी सदस्य शामिल नहीं हो सकेगा। सगे संबंधी ही सारी औपचारिकताएं पूरी कराएंगे। अतीक अहमद आज कोर्ट में अर्जी देकर जनाजे में शामिल होने की गुहार लगाएगा, लेकिन उसे अनुमति मिलती है या नहीं इस पर अभी संशय बना हुआ है। अतीक और अशरफ इस समय नैनी जेल में हैं। असद का एक भाई अली नैनी जेल तो दूसरा भाई उमर लखनऊ जेल में है। दो अन्य भाई अबान और ऐजम राजरूपपुर बाल संरक्षण गृह में हैं। मां शाइस्ता परवीन भी मुकदमा दर्ज होने के बाद फरार है। उसके ऊपर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। अतीक का बहनोई अखलाक जेल में है जबकि बहन आयशा नूरी और उसकी बेटी फरार चल रही है। चाचा अशरफ की पत्नी जैनब भी फरार चल रही है। असद के कब्र के पास ही दफनाया जाएगा गुलाम का शव असद के साथ एनकाउंटर में मारे गए

गुलाम हसन का शव भी कसारी मसारी में ही दफन किया जाएगा। गुलाम का घर शिवकुटी थाना क्षेत्र के मेहंदौरी रसूलाबाद घाट के पास स्थित है। उसकी मां और भाई ने गुलाम का शव लेने के लिए पुलिस से संपर्क नहीं किया है। गुलाम के भाई और मां का कहना है कि वह शव नहीं लेंगे। वह अपराधी था उसने परिवार पर कलंक लगा दिया है। ऐसी दशा में वह उसके शव को नहीं लेंगे। इस स्थिति में प्रशासन ने असद के कब्र के पास ही गुलाम के भी शव को सुपुर्द ए खाक करने का फैसला किया है। पांच किमी दूर रहकर भी जनाजे में शामिल नहीं हो सकेगा अतीक अतीक अहमद अपन बेटे के जनाने में शामिल नहीं हो सकेगा। अतीक को इस समय धूमनगंज थाने में रिमांड पर रखा गया है जो अतीक के घर से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर है। कल रात में ही पुलिस ने नैनी जेल से निकालकर अतीक को अपने कब्जे में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। कोर्ट ने अतीक और अशरफ को चार दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंपने का आदेश दिया है। आदेश के अनुपालन में नैनी जेल ने अतीक और अशरफ को पुलिस को सुपुर्द कर दिया है। एसटीएफ की स्पेशल टीम अतीक से पूछताछ कर रही है। जेल के बाहर रहकर भी अतीक बेटे की मिट्टी में शामिल नहीं हो पाएगा।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट **www.Desh ki upasana.com** का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।

–संपादक

श्री धाम अयोध्या में अखंड रामायण पाठ और विशाल भण्डारा हुआ संपन्न

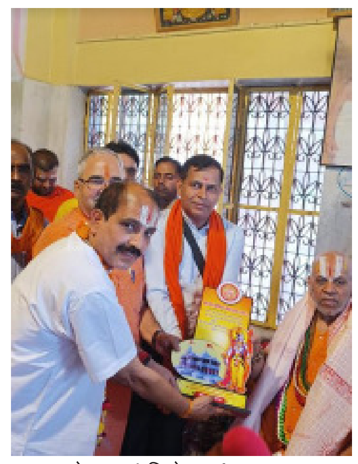

अयोध्या (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित श्री धाम अयोध्या में भव्य अखंड श्री रामचरित मानस पाठ हवन महाप्रसाद भंडारा का आयोजन हुआ संपन्न. जिसमें श्री धाम अयोध्या जी के हर क्षेत्र के संत और महात्मा सहित कई मठाधीशों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर कार्यक्रम को भव्य रूप दिया और महाराष्ट्र के कई संस्थानों ने भी अपनी सहभागिता जताई और लोगों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए पूरे मानस परिवार दिल से बधाई दी. वहीं पर प्रमोदकुमार हंसराज पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष, मानस परिवार सेवा ट्रस्ट (रजि) ने मानस के इस महाकुंभ में आर्थिक सहयोग करने वाले दानदाताओ, प्रचार प्रसार करने वाले सभी पत्रकार, मिडिया के बंधुओ, रामभक्तो को विदाई देने रेलवे स्टेशन पर आने वाले सामाजिक संस्था, राजनीति जगत के मान्यवर,मानस परिवार के परिजन,सभी मानस, मंडलों ,सभी कलाकार गायक,वादक भाइयों, कार्यक्रम में शामिल होने वाले आए सभी देवतुल्य अतिथि गण के साथ अथक सेवा कार्य से सेवा करने वाले रामभक्त रामसेवक बालक,युवा , मानस परिवार के सभी पदाधिकारियों समस्त कार्यकताओं को कोटी कोटी प्रणाम, धन्यवाद,आभार,आप सभी के सहयोग से इतना बडा यज्ञ सफल हो पाया है,इस यज्ञ के दिव्य सफलता का श्रेय आप सभी को, आप सभी को पुनः पुनः प्रणाम,आप सभी का स्नेह, प्यार, विश्वास बना रहे।

भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर को किया गया उनके जन्मदिन पर याद

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला एवं शहर कांग्रेस ने संयुक्त रूप से अंबेडकर तिराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके संविधान बचाने की ली शपथ आज भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला एवं शहर कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सैकड़ों की संख्या में एकत्रित होकर कचहरी रोड पर अंबेडकर तिराहा स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण

किया एवं संविधान रचयिता को याद किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम ने कहा कि,डॉ० बाबासाहब आम्बेडकर भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ, और समाजसुधारक थे! उन्होंने अछूतों (दलितों) से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकारों का समर्थन भी किया था। वे स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मन्त्री, भारतीय संविधान के जनक एवं भारत गणराज्य के निर्माताओं में से एक थे। अंबेडकर जयंती को समानता दिवस और ज्ञान दिवस के रूप में भी जाना जाता है! बाबा साहब ने प्रजातंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए राज्य के तीनों अंगों न्यायपालिका, कार्यपालिका एवं विधायिका को स्वतंत्र और पृथक बनाया तथा समान नागरिक अधिकार के अनुरूप एक व्यक्ति, एक मत और एक मूल्य के तत्व को प्रस्थापित किया। विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों की सहभागिता संविधान द्वारा सुनिश्चित की तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की विधायिकता जैसे ग्राम पंचायत, जिला पंचायत, पंचायत राज इत्यादि में सहभागिता का मार्ग प्रशस्त किया। आज हमें उनकी सीख को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है! इस अवसर पर अनुसूचित विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सोनकर, राकेश उपाध्याय, अनिल दुबे आजाद, राकेश सिंह, अनिल सोनकर, गौरव मौर्या, बब्बी खान, नेसार इलाही, शशांक राय अंकित, अमित मिश्रा, पुष्कर निषाद, अमिष श्रीवास्तव, अमन सिन्हा, आदिल, विशाल, रोहित पाण्डेय, रिक्की मुमताज, श्रेयांश चौहान, शिवकुमार गुप्ता, इकबाल आदि लोग उपस्थित रहे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

सदा याद रहे कि दुआ कभी साथ नहीं छोड़ती और बद्दुआ कभी पीछा नहीं छोड़ती।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

मात्र डॉक्यूमेंट्री नहीं है कनाडा का सिने–इतिहास

कनाडा के सिनेमा की बात चलते ही सबसे पहले वहां का खूबसूरत लोकेशन याद आता है। 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे', 'द केबिन इन द वुड' आदि फिल्मों में वेंकोवर नजर आता है, तो न मालूम कितनी फिल्मों में हमने न्याग्रा जलप्रपात की फुहारों का आनंद लिया है। आईएमडीबी की मानें तो कम–से–कम 142 फिल्मों में इसे दिखाया गया है। इसी तरह कनैडियन रोकीज कई फिल्मों में दिखाई पड़ते हैं। मगर ये अधिकांशतः हॉलीवुड सिनेमा में नजर आते हैं।

कानूनन भी फिल्म बनाने के लिए कनाडा का उपयोग हॉलीवुड ही नहीं यूरोप के अन्य देश भी करते रहे हैं। कनाडा के दर्शक भी देशी से अधिक हॉलीवुड फिल्में देखना अधिक पसंद करते हैं। मगर इसका मतलब यह नहीं कि कनाडा में फिल्में नहीं बनती हैं।

कनाडा में फिल्म का पहला प्रदर्शन 28 जून 1896 को मोन्ट्रियल में हुआ था। जुलाई 1896 को होलैंड भाइयों ने ओटावा के वेस्ट एंड पार्क में एडीसन के विटास्कोप का प्रदर्शन जनता के लिए किया। जो दृश्य दिखाए गए उनमें से एक खूब चर्चित हुआ, यह ब्रॉडवे की अभिनेत्री में इर्विन का 'द किस' था। टोरोंटो में पहला प्रदर्शन अगस्त में हुआ तो दिसम्बर 1898 में पहला शो वेन्कोवर में हुआ।

कनाडा फिल्मों का इतिहास

कनाडा की पहली मूक फिल्म जो स्टूडियो में नहीं लोकेशन पर फिल्माई गई थी वह थी, 'बैक टू गॉड'स कंट्री'। यह अपने समय की एक सफलतम फिल्म थी। इसमें एक बहादुर, स्वतंत्र तथा खुद को साबित करने वाली स्त्री को दिखाया गया है, जो मुसीबत में फंसे एक आदमी का उद्धार भी करती है। जेम्स फ्रीर ने प्रेइरीज में किसान के जीवन को प्रदर्शित करती फिल्म बनाई। उसी ने 'अराइवल ऑफ सीपीआर एक्सप्रेस एट विनिपेग' तथा 'पैसिफिक एंड एटलांटिक मेल ट्रेन' जैसी फिल्में भी बनाईं। ये फिल्में कैनेडियन पैसिफिक रेलवे द्वारा प्रायोजित थीं। वह इन फिल्मों को लेकर इंग्लैंड भी गया। इनकी सफलता का नतीजा हुआ, 1902 में फेडरल सरकार ने फ्रीर के एक और टूर को प्रायोजित किया।

1903 में कनाडा के फिल्म एक्चेंज की स्थापना मोंट्रियल में हुई और 1906 में मोंट्रियल में पहला थियेटर खुला। एक साल बाद मोंट्रियल में ही 1200 सीट का लक्जरी थियेटर खुला। इस दौरान जो फिल्में बन रही थीं, उनका आर्थिक पक्ष कनाडा के लोग संभाल रहे थे लेकिन उन्हें कनाडा के बाहर के लोग बना रहे थे। कनाडा के लोग, जैसे हेनरी विंटर, जेम्स स्कॉट केवल न्यूजरील तथा यात्रा संबंधित फिल्में बना रहे थे।

1913 में हेलीफेक्स में द कनैडियन बाइस्कोप कंपनी ने कनाडा की पहली फीचर फिल्म 'इवांजलीन' बनाई। यह एकाडियन्स के निष्कासन से संबंधित कविता के आधार पर बनी थी। इसे समीक्षकों और दर्शकों दोनों की प्रशंसा मिली। 1915 में बंद होने तक कंपनी ने कई फिल्में बनाई मगर कोई इतनी सफल न हो सकी। दि ऑल रेड फीचर कंपनी ने 1812 के युद्ध पर 1914 में 'द वार पिजन' फिल्म बनाई।

दि ऑन्टारिओ मोशन पिक्चर ब्यूरो दुनिया का पहला राज्य प्रायोजित फिल्म संगठन था। इसकी स्थापना 1917 में किसानों, बच्चों तथा फैक्टरी कर्मचारियों के शिक्षा कार्य के लिए की गई। यह 1934 में बंद हो गया। इसका मुख्य काम कनाडा के व्यापार तथा उद्योग का विज्ञापन करना था। इसने 'सीइंग कनाडा' नाम से एक शॉर्ट फिल्मों की शृंखला बनाई और उन्हें विभिन्न देशों में वितरित किया। इस काल की याद रखने योग्य फिल्म 'द वाइकिंग' (1931) है, इसमें सील के शिकारियों के कठिन जीवन को परदे पर दिखाया गया है। समृद्ध पर्यावरण में फिक्शन तथा नॉनफिक्शन का मिश्रण है यह फिल्म। हॉलीवुड की फिल्म 'कैप्टन्स ऑफ द क्लाउड्स की तर्ज पर 1940 में 'बुश पायलेट' बनी।

1939 में नेशनल फिल्म बोर्ड की स्थापना हुई। 1967 में द कैनेडियन फिल्म डेवलेपमेंट कॉर्पोरेशन इस उद्योग को दस मिलियन डॉलर का फंड देने लगा। दस साल बाद यह पच्चीस मिलियन डॉलर हो गया। इस साल क्रिस्टोफर चौम्पमैन ने 17 मिनट की एक फिल्म 'ए प्लेस टू स्टैंड' बनाई जो बिना संवाद के ओन्टारिओ के जीवन को दिखाती है।

इसी साल माइकेल स्नो ने 'वेवलेंथ' नाम से प्रयोगात्मक लैंडमार्क फिल्म बनाई। 1967 में ही एलान किंग द्वार निर्देशित फिल्म ऑफ द इयर, सर्वोत्तम फीचर फिल्म तथा सर्वोत्तम फिल्म का स्पेशल पुरस्कार जीतने वाली फिल्म 'वारेनडेल' मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चों तथा उनके थेरेपिस्ट को दिखाती एक अनोखी फिल्म बनी।

1984 में इसका नाम बदल कर टेलेफिल्म हो गया। अब कनाडा के लोग कनाडा की पहचान के लिए फिल्म बनाने लगे। टोरोंटो न्यू वेव आंदोलन प्रारंभ हुआ जिसमें ब्रुस मैक्डॉनाल्ड, एटम इगोयन, पेट्रिशिया रोजेमा जैसे लोग जुड़े थे। ये सामाजिक आंदोलन से जुड़ी फिल्में बना रहे थे। रोजेमा ने 'आई हैव हर्ड द मरमेड्स सिंगिंग' बनाई जो एलजीबीटीक्यू से जुड़ी फिल्म है। 1988 में डेविड क्रोनेनबर्ग ने जुड़वां गायनाकॉलिस्ट पर एक हॉरर–मनोवैज्ञानिक फिल्म 'डेड रिंगर्स' बनाई। दोनों भाइयों को अलग पहचानना कठिन है और दोनों इसका फायदा उठाते हैं मगर जीवन में एक औरत के आने पर उनमें मतभेद होता है। 1997 की एटम इगोयन द्वारा निर्देशित, इआन होम, सराह पोली द्वारा अभिनीत फिल्म 'द स्वीट हेयरआफ्टर' दिखाती है कि बातें वैसी ही नहीं होती हैं जैसी वे नजर आती हैं।

इक्कीसवीं सदी और कनाडा की फिल्में

हाल के वर्षों में कनाडा से जो फिल्में आई हैं उन्होंने सिने–विश्व का ध्यान खींचा है। 2001 में वहां के आदिवासियों को लेकर जकरियाज कुनुक ने 'इनुक्टिटुटः द फास्ट रनर' एक मिथिकल गाथात्मक फिल्म बनाई, इसमें मात्र बर्फ के बीच का जीवन प्रदर्शित है। इस फिल्म ने इस जीवन के प्रति दुनिया की आंखें खोल दीं। इसमें एक योद्धा अपने पूरे समुदाय को बुरी आत्मा से बचाता है। 2007 में सररियलिस्ट फिल्म मेकर गाई मैडिन ने 'माई विनीपेग' डॉक्यूमेंट्री–फंतासी फिल्म बनाई, जिसने समीक्षकों और दर्शकों का ध्यान खींचा।

2010 में कनाडा के लोकप्रिय निर्देशक डेनिस विलेनेउव ने 'इंसेन्डीज' बनाई जिसमें जुड़वां नवल मारवान तथा जीन मारवान अपने पारिवारिक इतिहास को जानने के लिए मिडिल ईस्ट की यात्रा करते हैं तथा अपनी मां की अंतिम इच्छा पूरी करते हैं। एक ऑस्कर (सर्वोत्तम अभिनेत्रीः वाली ब्री लार्सन) के साथ कुल 108 पुरस्कार जीतने 2015 की करीब दो घंटे की 'रूम' फिल्म ऐसी ही है।

लेनी एब्राहम निर्देशित इस फिल्म में जन्म से एक छोटा लड़का जैक (जैकब ट्रैम्बले) और उसकी मां (ब्री लार्सन) अपहरण के बाद बरसों एक छोटे–से कमरे में कैद रखे जाते हैं। मां बच्चे को इस स्थान पर भी कैसे खुश रखती है, शिक्षित करती है, कैसे वे इस कैद से निकलते हैं, यह देखने और अनुभव करने की बात है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

संचारी रोग से निपटने के लिए लखनऊ व गोण्डा जिले की स्वास्थ्य टीम ने किया सीएचसी का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। खरगूपुर गोंडा में संचारी रोग से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की लखनऊ एवं जिले की टीम ने सीएचसी का निरीक्षण कर आशा व आशा संगिनी को प्रशिक्षित किया। स्थानीय नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डीवीडी एसीएमओ डॉ सीके वर्मा प्रोग्राम ऑफिसर ए ई एस पी ए टी एच लखनऊ डॉक्टर शिवम शिंदे डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर पैथ शोएब जैदी यूनिसेफ के डीएमसी डाटा शेषनाथ सिंह डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हसन रिजवी ने संचारी रोग के बचाव संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संचारी रोग पर नियंत्रण के लिए कस्बों एवं गांव में साफ–सफाई जलभराव मच्छर से बचाव के साथ ही बीमारी से बचने के लिए दवा छिड़काव एवं स्वच्छता पर बल दिया। टीम ने प्रसव कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के साथ ही प्रसव कार्य आदि को संतोषजनक पाया।टीम ने संचारी रोग के

विषय में आशा कार्यकर्ता व आशा संगिनी एवं सी एच ओ को प्रशिक्षित किया। टीम ने नंद नगर गांव का दौरा किया। इस अवसर पर अधीक्षक डॉ श्वेता त्रिपाठी नोडल अधिकारी जी पी तिवारी रजत कुमार सूरज कुमार मेन टर मंजू शुक्ला परमात्मा गुप्ता रवि श्रीवास्तव आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

केनरा बैंक ने धूम धाम से मनाया बाबा भीम राव अंबेडकर जंयती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। केनरा बैंक एससी एसटी एम्पलॉई वेलफेयर एसोसिएशन ने भारतरत्न बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी का १३२वां जन्म दिवस भरपूर उत्साह और जोश के साथ मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन केनरा बैंक लखनऊ अंचल के महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल जी ने किया और विशिष्ठ अतिथि के तौर पर माननीय डा अंजू बाला , सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, भारत सरकार ने शिरकत की। आलोक अग्रवाल जी ने एससी एसटी के विकास एवं उत्थान हेतु केनरा बैंक द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को जानकारी दी।मौके पर केनरा बैंक लखनऊ अंचल उप महाप्रबंधक मनोज कुमार मीणा, सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना, मंडल प्रबंधक अजय कुमार स्वरूप एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। एसोसिएशन का प्रतिनिधित्व योगेन्द्र कुमार (ज्वाइंट सेक्रेटरी), जितेंद्र

(सेक्रेटरी लखनऊ अंचल), अंकित गौतम, बृजेंद्र वर्मा, महेंद्र सिंह , विकास कुमार, रोहित सिंह, बुद्ध प्रिया गौतम, आदित्य चौधरी, अनिल कुमार, महिला प्रतिनिधि अल्का वर्मा एवं अन्य ने किया।

डा० भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। सन्त एस० राम इण्टर कालेज, नियर– शुक्ला चौराहा जानकीपुरम् विस्तार लखनऊ में डा० भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई एवं छात्र / छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मा० के०के० शुक्ला लखनऊ एवं मा० आयुष्मान द्विवेदी एवं विद्यालय की प्रधानाचार्या, समस्त शिक्षकगणो द्वारा अम्बेडकर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए इनके आदर्शो पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अभिभावक एवं क्षेत्रवासी भी उपस्थित रहें । बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (गीत, भाषण, वाद–विवाद

एवं कविता) में प्रतिभाग लिया। मुख्य अतिथि एवं प्रधानाचार्या द्वारा बच्चों को किताबे एवं पुरस्कार वितरित किये।

रिंग रोड पर ट्रक और डंपर में जोरदार टक्कर : जेसीबी से केबिन काटकर डंपर चालक को निकाला बाहर

वाराणसी ब्यूरो : बड़ागांव थाना क्षेत्र के रिंग रोड फेज 2 पर कोईराजपुर गांव में गुरुवार के मध्य रात्रि में ट्रक और डंपर में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर लगने के बाद डंपर चालक केबिन में फंस गया। उसके बाद मध्य रात्रि तक कड़ी मशक्कत कर किसी तरह डंपर चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। घटना के चलते रिंग रोड पर 3 किलोमीटर तक ट्रकों की लंबी कतार लग गई थी। जानकारी अनुसार हरहुआ डीह निवासी (32 वर्षीय) गौतम गौड़ डंपर चलाता है। गुरुवार की रात्रि में वह डंपर लेकर हरहुआ से राजातालाब की तरफ जा रहा था। गौतम गौड़ विपरीत लेन से डंपर लेकर रिंग रोड फेज दो पर कोईराजपुर गांव में पहुंचा था, उसी समय सामने से राजातालाब की तरफ से आ रहे गिट्टी लदे ट्रक से डंपर के जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगने के बाद डंपर का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और डंपर चालक गौतम केबिन में फंस गया। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर घटनास्थल से भाग निकला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, उसके बाद जेसीबी मंगवाई गई। दो जेसीबी की मदद से करीब दो घंटे कड़ी मशक्कत करने के बाद मध्यरात्रि में किसी तरह केबिन में फंसे चालक को केबिन से बाहर निकाला गया। उसके बाद चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। हाईवे पेट्रोलिंग ने नहीं की कोई मदद घटना के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने कहा कि रिंग रोड पर पेट्रोलिंग करने वाले लोगों को कई बार फोन करके सूचना दिया गया। सूचना के करीब एक से डेढ़ घंटे बाद पेट्रोलिंग

करने वाली टीम घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान वहां केबिन में फंसे डंपर चालक को निकालने के लिए लगे लोगों और हाईवे पेट्रोलिंग टीम के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया गया कि हाईवे पेट्रोलिंग के नाम पर महज खानापूर्ति की जाती है। रिंग रोड पर कोई भी दुर्घटना हो जाने के बाद सूचना देने के बाद भी हाईवे पेट्रोलिंग टीम समय से नहीं पहुंचती है। फिलहाल घटनास्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों और संभ्रांत नागरिकों ने किसी तरह ग्रामीणों को शांत कराया। अंधेरे के चलते होती है घटना रिंग रोड पर अधिकतर जगहों पर स्ट्रीट लाइट नहीं लगी हुई है। स्ट्रीट लाइट ना होने के चलते वाहन चालकों को वाहन दिखाई नहीं देते हैं जिसके चलते अक्सर दुर्घटना हो जाती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि रिंग रोड पर स्ट्रीट लाइट सभी जगह लगवाई जाय। केवल ओवरब्रिज और चुनिंदा स्थानों पर है स्ट्रीट लाइट लगवाई गई है। जबकि हाईवे पर सभी जगह स्ट्रीट लाइट लगी होनी चाहिए जिससे प्रकाश की व्यवस्था बनी रहे।

तहसील परिसर में भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एवं कर्मचारियों ने लिया संकल्प

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : बल्दीराय तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया एंव जिला अधिकारी ने कर्मचारियों के साथ लिया संकल्प हम भारत के लोग भारत को संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने और इसके सभी नागरिक को सामाजिक आर्थिक राजनीतिक न्याय विचार अभिव्यक्ति विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त करने के लिए तथा सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता तथा अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए संकल्प होकर आप आत्मपिर्त करते हैं इस मौके

पर तहसीलदार घनश्याम भारती नायब तहसीलदार गुलाब सिंह पेशकार उमेश सिंह कैलाश नाथ शुक्ला राजू सिंह तहसील कर्मचारी मौजूद रहे।

लखनऊ में राष्ट्र कल्याण हेतु पांञ्चजन्य उद्घोष पांच कुंडीय यज्ञ

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट लखनऊ : स्वाभिमानी भारत विकास संघ के तत्वावधान में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मांडवी मिश्रा जी के द्वारा लिए गए संकल्प से राष्ट्र कल्याण हेतु पांञ्चजन्य उद्घोष पांच कुंडीय यज्ञ का स्वाभिमानी भारत का संघ के द्वारा त्रेता के द्वापर की ओर श्री राम राज्य की परिकल्पना मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के पद चिन्हों का अनुसरण एवं लीला पुरुषोत्तम भगवान् श्रीकृष्ण की नीतियों के अनुरूप राजनीति कुटनीति एवं धर्म नीति का बिगुल बजाने हेतु राजधानी लखनऊ से उद्घोष किया जा रहा है हमारा उद्देश है। भगवान श्री कृष्ण की नीति से एवं रामराज संकल्प यात्रा व पांच कुंडीय महायज् कृष्ण गाथा के 11 खंडों का अंतर्राष्ट्रीय प्रचार प्रसार के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से राष्ट्र कल्याण हेतु प्रथम खंड के संकलन का कार्य देश के प्रमुख विद्वानों संतोष सज्जनों एवं साहित्यकारों तथा संघ के पदाधिकारियों

सदस्यों द्वारा पूर्ण किया जा रहा है ।आप सभी के सहयोग और विचारों की अपेक्षाओं के साथ स्वाभिमानी । भारत विकास संघ सदैव तत्पर होकर निरंतर कार्य करता रहेगा । सनातनी संस्कृति को आगे बढ़ाना जाति भेदभाव को दूर करना नारियों का सम्मान करना ।भारत देश को विश्व गुरु बनाना तथा विश्व की शिखा पर सनातन धर्म का परचम लहराना है।

मौलाना राबे हसनी नदवी को तकिया में किया गया सुपुर्द ए खाक : राजनाथ सिंह एवं सीएम योगी ने जताया शोक

लखनऊ ब्यूरो : ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष और दारुल उलूम नदवतुल उलमा लखनऊ के मौलाना राबे हसनी नदवी का शव रायबरेली शहर के तकिया लाया गया। तकिया में शुक्रवार को नमाज पढ़ी गई और उसके बाद गमगीन माहौल में उनको सुपुर्द ए खाक किया गया। इस दौरान रायबरेली, लखनऊ और आसपास के जिलों के हजारों लोग मौजूद रहे। नदवी पूरे साल कहीं भी रहते रहे हो लेकिन रमजान के दिनों में वह तकिया में ही निवास करते थे। रमजान के समय वह तकिया में थे लेकिन अचानक बीमार हो गए और उनको लखनऊ ले जाया गया जहां बृहस्पतिवार को उनका निधन हो गया। दारुल उलूम नदवातुल उलेमा के प्रमुख, आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष व इस्लामिक विद्वान मौलाना राबे हसन नदवी के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके परिजन मौलाना जाफर नदवी से फोन पर बात की और शोक संवेदना प्रकट की। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना सैयद राबे हसनी नदवी का निधन पूरी दुनिया खास कर इस्लामिक दुनिया के लिये अपूर्णनीय क्षति है। बोर्ड के कार्यकारिणी सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि मौलाना कई दिनों से बीमार थे। आज शाम को उन्होंने नदवा में अंतिम सांस ली। मौलाना राबे के खानदान से फरंगी महल के उलमा का गहरा शैक्षिक रिश्ता था। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत रूप से मौलाना की मोहब्बत हासिल होती थी। शैक्षिक सेवाओं के लिये राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित हुये थे मौलाना राबे मौलाना राबे हसनी नदवी का जन्म 29 अक्टूबर 1929 को रायबरेली के तकिया कलां में हुआ था। उन्होंने शुरुआती शिक्षा रायबरेली में ही पूरी की। उसके बाद उच्च शिक्षा के लिये नदवतुल उलमा आ गये। 1948 में नदवे से डिग्री हासिल करने और 1949 में शिक्षा पूरी करने के बाद नदवा में सहायक शिक्षक के तौर अपनी सेवाएं दीं। मौलाना खालिद रशीद ने बताया कि वह 1950 से 1951 तक सऊदी अरब में रहे। सन 1970 में उनकी शैक्षिक सेवाओं को देखते हुये राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया गया। 1993 में नदवा के प्रधानाचार्य बनाये गये। उसके बाद 1999 में नदवा के वाइंस चांसलर व साल 2000 में मौलाना अली मियां के निधन के बाद चांसलर बनाये गये। मौलाना फरंगी महली ने बताया कि मौलाना राबे ने उर्दू और अरबी में करीब 30 पुस्तकें लिखीं थीं। मौलाना आलमी राबता अदब ए इस्लामी रियाद के कुलपति भी थे। शैक्षिक व धार्मिक मामलों में बेबाकी के लिये जाने जाते थे मौलाना राबे मौलाना अली मियां के निधन के बाद मौलाना राबे हसनी नदवी को जून 2002 में हैदराबाद में ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बोर्ड के वह चौथे अध्यक्ष थे। मौलाना राबे धार्मिक और शैक्षिक मामलों में अपनी बेबाकी के लिये भी जाने जाते थे। वो मुसलमानों को नसीहत देते थे कि इस्लाम धर्म को सिर्फ

नमाज तक ही सीमित न करो बल्कि उसे सामाजिक सुधार के मामलों में भी शामिल करो। उनका कहना था कि इस्लाम धर्म जीवन के सभी क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन करता है। मुसलमानों को हर क्षेत्र में हलाल और हराम का ध्यान रखना चाहिये। इस्लाम को सिर्फ नमाज तक सीमित नही रखना चाहिये, ताकि इस्लामी शरियत को बदनाम नही किया जा सके। बेटियों को दहेज के बजाए जायदाद में हिस्सा देने के पक्ष में थे मौलाना राबे मौलाना छह बार लगातार मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष रहे। उन्होंने इस दौरान मुस्लिम समाज में दहेज जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिये शरियत के मुताबिक शादियां करने की नसीहत दी। उनका कहना था कि मुसलमानों को सामाजिक रीति रिवाजों से बचना चाहिये और सुन्नत व शरीयत के अनुसार शाादियां करनी चाहिये। उन्होंने बोर्ड के जरिये फैसला दिया कि शादी में दहेज की बजाये जायदाद में लड़की को उसका हक दिया जाये। उन्होंने शादियों में फिजूलखर्ची को खत्म करने और निकाह को आसान बनाने के लिये अभियान का आगाज किया। मौलाना राबे के निधन पर धर्मगुरुओं ने जताया शोक ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर सभी धर्मगुरुओं ने शोक जताया। शिया धर्मगुरू मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी ने मौलाना राबे हसनी नदवी को मुस्लिम दुनिया का एक प्रतिभाशाली बुद्धिजीवी और महान आलिम बताया। उन्होंने कहा कि मौलाना के निधन से मुस्लिम दुनिया को अपूर्णीय क्षति हुई है। मौलाना ने कहा कि मौलाना राबे नदवी जैसी शख्सियत, बड़ी मुश्किल से पैदा होते हैं। उनकी सेवाओं के लिये उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। शिया धर्मगुरू मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने मौलाना राबे के निधन पर दुख जताते हुये कहा कि मौलाना का इंतकाल पूरी दुनिया की इंसानियत के लिये नुकसान है। वहीं मौलाना अबुल इरफान मियां फरंगी महली ने भी मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर दुख जताया। जमात ए इस्लामी हिंद पूर्वी यूपी के अध्यक्ष डा. मलिक मोहम्मद फैसल फलाही ने मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर गहरा दुख जताते हुये कहा कि मौलाना प्रेम, विनम्रता, एकता, धैर्य और सहिष्णुता के बड़े उदाहरण थे। मौलाना के निधन पर राजनीतिक हलके में भी शोक की लहर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी के निधन पर राजनीतिक हलके में भी शोक की लहर दौड़ गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली से मौलाना राबे हसनी नदवी के भतीजे मौलाना जाफर हसनी नदवी को फोन कर मौलाना राबे के निधन पर शोक जताया। वहीं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का इंतकाल बेहद दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दे और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं भावभीनी श्रद्धांजलि। वहीं, बसपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और पसमांदा मुस्लिम समाज के अध्यक्ष व पूर्व राज्य मंत्री अनीस मंसूरी ने मौलाना राबे के निधन पर दुख जताया।

कंप्यूटर सिखाने के नाम पर ठगे गये दर्जनो छात्र – छात्राएं

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्धिकपुर में कंप्यूटर सिखाने के नाम पर दर्जनो छात्रों ने ठगे जाने का आरोप लगाया । सरायख्वाजा पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग किया। छात्रों ने कहा है कि हजारों रुपए ठगे गए है और न्याय नहीं मिला तो जिला मुख्यालय पर धरने पर बैठेंगे। जानकारी के अनुसार स्मार्ट वैल्यू नाम की एक कंप्यूटर प्रशिक्षण सेंटर चलाया जा रहा है जहां छात्रों को कंप्यूटर व नेटवर्किंग शिक्षा सिखाने के नाम पर प्रति छात्र से 13 हजार 900 रूपया वसूला गया । छात्रों का आरोप है कि जब एडमिशन ले लेते हैं तो उनसे एक सप्ताह बाद कहा जाता है कि आप एक लोग को 3 लोगों को जोड़ना पड़ेगा। उसके बाद तब आप लोगों की शिक्षा का विस्तार होगा और तभी आप लोगों को महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी। छात्रों को 3 लोगों को जोड़ने का दबाव दिया गया तो छात्रों ने कहा कि हम लोगो से कंप्यूटर सिखाने के नाम पर ध13900 वसूला गया है और प्रवेश लेते समय इस तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई थी। तो छात्रों ने कहा कि या तो कंप्यूटर सिखाया जाएगा तो पैसा वापस कर दिया जाए। संस्था के

जिम्मेदारों ने उनसे 3 लोगों को जोड़ेंगे तभी उनका पैसा वापस होगा। जिसके बाद पीड़ित छात्र छात्राए खुशी यादव, मनमोहन विश्वकर्मा ,सुरेखा प्रजापति, स्नेहा यादव ,आकाश विश्वकर्मा, रामकुमार ,सरोजा, चंद्रसेन, विष्णु यादव ने थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा को तहरीर देकर कंप्यूटर सेंटर पर कार्रवाई करने की मांग के साथ उनके हजारों रुपए वापस करवाने की मांग की। थानाध्यक्ष ने उन्हें आश्वासन देकर लौटा दिया इसमें हम जांच करेंगे। इस दौरान छात्रों ने कहा कि अगर कोई कार्रवाई नहीं होती तो हम लोग जिला मुख्यालय पर धरने पर बैठने के लिए बाध्य होंगे।

दिन माह की सटीक गणना का आधार पंचांग –प्रो. निर्मला एस. मौर्य

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भइया के आर्यभट्ट सभागार में वृहस्पतिवार को भारतीय कालगणना और वैज्ञानिक आधार विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के धर्म जागरण प्रमुख अभय जी ने कहा कि भारत देश पर कई विदेशी आक्रांताओं ने आक्रमण किया किन्तु भारत ने कभी पराजय स्वीकार नहीं की बल्कि वह संघर्ष करता रहा। भारत को फिर से विश्वगुरु के रूप में आने के लिए अपनी संस्कृति को मजबूती से अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि जो भी आक्रांता आए वे देश में तो रहे हमारी संस्कृति को खत्म करने के चक्कर में उसमें विलीन होते गए। उन्होंने इस संबंध ा में शक, कुषाण समेत कई धर्म के लोगों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय कालगणना को अगर देखा जाय तो वह सभी विदेशी कालगणनाओं की तुलना में सबसे अधिक परिशुद्ध और पुरातन है। उन्होने सभी सिक्षकों एवं विद्यार्थियों से सरकारी कार्यों को छोड़कर निजी जीवन में भारतीय कालगणना को अपनाने की अपील की। उनका मानना है कि पैमाना बदलकर देश की संस्कृति को पीछे किया गया लेकिन हमारी परंपराओं ने काल गणना को संरक्षित किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा काल गणना ब्रह्मांड में स्थित सूर्य, चंद्रमा के आधार पर की जाती है। इसी आधार पर भारतीय पंचांग का निर्माण होता है। दिन, महीने की गणना का आधार भारतीय कैलेंडर यानी हमारा पंचांग ही है। हम वास्तु की ओर फिर से लौट रहे है। उन्होंने कहा कि समाज इसी गणना से समुचित ढ़ंग से चल सकता है। उन्होंने हिंदी मास और भाष्कराचार्य के गणित के क्षेत्र में योगदान की भी विस्तार से चर्चा की। अतिथियों का स्वागत प्रज्ञा प्रवाह के विभाग संयोजक संतोष त्रिपाठी एवं विषय प्रवर्तन कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक वैदिक प्रबंध अध्ययन केंद्र प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने किया। कार्यक्रम संचालन प्रज्ञा प्रवाह के जिला संयोजक डॉ. कीर्ति सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। इस मौके पर ब्रह्मेश शुक्ल, अवध ेश पाण्डेय, आलोक जी, श्रीप्रकाश सिंह, मनोज तिवारी ज्ञान प्रकाश उपाध्याय, संजीव सिंह कुतवन, शैलेंद्र निषाद, शिवनारायण पाठक, प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. बीडी शर्मा, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. रसिकेश, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अमित वत्स, डॉ. इंद्रेश कुमार, डॉ. शशिकांत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट : पीड़ित परिवार पर ही दर्ज किया केस : पुलिस अफसरों पर कार्रवाई के निर्देश

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नहाते समय नदी में डूबे बच्चे की तलाशी के लिए प्रदर्शन करने वाले परिवार के छह सदस्यों सहित 62–65 अज्ञात के खिलाफ सड़क जाम, बवाल के आरोप में एफआईआर दर्ज करने और चार्जशीट दाखिल कर केस चलाने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने पूछा भीड़ में से छह पीड़ित परिवार के लोगों की ही पहचान कैसे की तो संतोषजनक जवाब न मिलने पर मिर्जापुर के चील्ह थाने के इंस्पेक्टर अशोक कुमार व दरोगा शिवजी सिंह यादव को तलब कर लिया। एसपी मिर्जापुर को इन पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा इन पुलिस अधि ाकारियों को भविष्य में महत्वपूर्ण केस की विवेचना न सौंपी जाए।कोर्ट के निर्देश पर एसपी मिर्जापुर ने कहा इनके माफी पत्र को देखते हुए प्रारंभिक जांच की जा रही। कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने एसपी को प्रारंभिक जांच सहित कार्रवाई रिपोर्ट हलफनामे के माध्यम से पेश करने का निर्देश दिया। कहा एसपी स्वयं हलफनामा दाखिल करें। याचिका की सुनवाई 12 मई को होगी। कोर्ट ने याचियों के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर लगी रोक बढ़ा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने उदय यादव व पांच अन्य की धारा 482 के अंतर्गत दाखिल याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। जिन पर सुरक्षा की जिम्मेदारी वही लोग कर रहे कठोर कार्रवाई कोर्ट ने कहा कि जिस पुलिस पर लोगों के जीवन की सुरक्षा की

जिम्मेदारी है वही लोगों पर कठोर कार्रवाई कर रही है। पुलिस प्रशासन की विफलता के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले पीड़ित परिवार को ही आपराधिक केस में फंसा दिया और दरोगा ने चार्जशीट दाखिल कर दी। मालूम हो कि याचीगण के परिवार का लड़का नदी में नहाते समय डूब गया था। लाश बरामद करने की पुलिस से मांग की। सुनवाई न होने पर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इंस्पेक्टर ने पीड़ित परिवार की सहायता के बजाय उन्हीं के खिलाफ सड़क जाम बलवा करने के अपराध में आरोपित कर दिया। अदालत में केस चल रहा है। जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी है। कोर्ट ने पुलिस से पूछा कि 62–65 अन्य लोगों में केवल परिवार के छह लोगों की पहचान कैसे की। संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो माफी मांगी। कोर्ट ने एसपी को दोषी पुलिस अफसरों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया। जिस पर एसपी ने जांच कर एक्शन लेने का हलफनामा दाखिल किया।

चार चिताएं जलती देख रो पड़ा पूरा गांव : सदमे में परिवार : एक झटके में उजड़ गईं थीं सात जिंदगियां

मुजफ्फरनगर ब्यूरो : पंजाब के होशियारपुर में हुए हादसे में खेड़ा मस्तान के चार लोगों की मौत से गम का माहौल है। वहीं, शुक्रवार सुबह एक साथ चिताएं जलीं तो गांव बिलख उठा। केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान और पूर्व विधायक उमेश मलिक ने गांव पहुंचकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। होशियारपुर के बीत क्षेत्र के गांव बस्सी में बुधवार रात करीब एक बजे श्रद्धालुओं से भरे कैंटर ने पैदल जा रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया था। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई थी। बताया गया कि श्रद्धालु श्री गुरु रविदास के ध ार्मिक स्थल चरण छोह गंगा के लिए पैदल जा रहे थे। हादसे में खेड़ा मस्तान गांव के चार और काकड़ा गांव की एक किशोरी की मौत हुई थी। पिछले साल 22 अक्तूबर को यह परिवार पंजाब गया था। इनमें काकड़ा निवासी शीशपाल अपनी पत्नी कुसुम, बेटे मांगा व बेटी रामो उर्फ उन्नति (14) और शीशपाल का साला खेडा मस्तान फुगाना निवासी सुदेश व उसी गांव के राम कुमार, पुष्पेंद्र आदि के परिवार भी शामिल थे। बता दें कि मृतकों का खेड़ा मस्तान गांव में अंतिम संस्कार किया गया।

राजकेशर पाल निर्विरोध सभापति निर्वाचित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्रय विक्रय सहकारी समिति लिमिटेड जौनपुर के सभापति/ चेयरमैन का चुनाव देवचंदपुर स्थित कार्यालय पर संपन्न हुआ जहां सर्वसम्मति से भाजपा मंडल अध्यक्ष करंजकला राजकेशर पाल जी को निर्विरोध सभापति/चेयरमैन व उपसभापति श्रीमती मंजू पांडे पत्नी

श्री शैलेश पांडे जी निर्विरोध निर्वाचित हुए। और 11सदस्य के रूप में शैलेंद्र सिंह, राधेश्याम विश्वकर्मा, अजय मिश्रा, जितेंद्र मिश्रा, सिद्धार्थ राय, विनय कुमार सिंह ,दिव्यांशु सिंह, मनोज दुबे ,नंदिनी राय ,संजीव गौतम और मदन सोनी निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हुए। इस अवसर पर करंजकला के प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन , पूर्व मंडल अध्यक्ष शरद सिंह , करंजकला के पूर्व प्रमुख जितेंद्र सिंह , जिला पंचायत सदस्य श्याम बाबू यादव , सभासद अच्छेलाल मौर्य, सभासद मनीष श्रीवास्तव ,प्रशांत सिंह दीपक , राधेश्याम पाल ,शुभम सिंह, बलवंत सिंह, कपिल देव सिंह व अमित श्रीवास्तव उपस्थित रहे। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद यादव जी व जिला अध्यक्ष भाजपा पुष्पराज सिंह जी ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को अपनी बध ाई व शुभकामनाएं दी।

गेंहू की मड़ाई करते समय थ्रेसर की चपेट में आने से महिला की मौत

सुलतानपुर ब्यूरो आलोक श्रीवास्तव : गेंहू की मड़ाई करते समय मशीन की चपेट में आने से (40) वर्षीय महिला की गई जान। महिला की दर्दनाक मौत से परिवार में कोहराम। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस,मृतका के शव को भेजा गया पोस्टमार्टम के लिए ।मामला मोतिगरपुर थाना क्षेत्र के बढ़ौनाडीह गाँव का मामला ।थानाध्यक्ष राजकुमार वर्मा बोले,डेडबाडी भेजी गई पोस्टमार्टम के लिए।

हत्या के तीन अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा : कोर्ट ने सुनाया फैसला

गोरखपुर ब्यूरो : दहेज के लिए नेहा की हत्या का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश तनु भटनागर ने चौरीचौरा थाना क्षेत्र के रउतैनिया बाबू निवासी अभियुक्त पति अभिषेक दूबे, ससुर लालबचन दूबे व सास शकुंतला दूबे को आजीवन कारावास एवं प्रत्येक को 50 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्तों को एक साल का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक परमानंद राम त्रिपाठी का कहना था कि वादी भृगुमुनि शुक्ला चौरीचौरा थाना क्षेत्र के तिलौली का निवासी है। उसने अपनी लड़की नेहा की शादी अभियुक्त अभिषेक दूबे से मई 2011 में की थी। विदाई के बाद से ही अभियुक्त वादी की लड़की को कम दहेज का ताना मारते व प्रताड़ित करते तथा पांच लाख रुपये अतिरिक्त दहेज की मांग करते थे। लड़की को धमकी देते कि तुम्हारी हत्या कर अभिषेक की शादी किसी अन्य से कर देंगे। 11 जुलाई 2020 की रात करीब नौ बजे अनहोनी की आशंका होने पर वादी अपने परिवार वालों के साथ नेहा के ससुराल पहुंचे तो पता चला कि अभियुक्तों ने साजिशन नेहा की गला दबाकर हत्या कर दी है।

पेशी के दौरान माफिया अतीक पर फेंके जूते गालियों की बौछार : गुस्साई भीड़ को देख सहमा अतीक

प्रयागराज ब्यूरो : आतंक का पर्याय माफिया अतीक अहमद बृहस्पतिवार को सीजेएम कोर्ट में पेशी के दौरान हर कदम लाचार नजर आया। माफिया के चेहरे पर न रुआब था न मूंछों पर ताव। उसकी हेकड़ी का न कहीं जोर था, न अकड़ ही दिखाई पड़ी। कचहरी परिसर से सीजेएम कोर्ट के पहले तक उस पर गालियों की बौछार होती रही। भीड़ उसे सुरक्षा घेरे से खींचकर सबक

सिखाने तक के लिए शोर मचाती रही। कुछ ने जूते और बोतलें भी फेंकीं। एक–दो लगीं भी। यह सब तब हुआ, जब उसकी सुरक्षा में एक हजार से अधि ाक पुलिस–पीएसी और आरएएफ के जवान तैनात थे। नैनी सेंट्रल जेल से एक ही प्रिजन वैन में माफिया अतीक को उसके भाई अशरफ के साथ सीजेएम कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया। दिन के 11:12 बजे कचहरी गेट पर जैसे ही वैन रुकी वहां मौजूद वकीलों की भीड़ शोर मचाने लगी। सबसे आगे अशरफ सफेद कुर्ता–पायजामा में निकला। उसके पीछे काले कुर्ते और पैंट में माफिया अतीक अहमद को लाया गया। अतीक जिस रास्ते से गुजरा, उसे गालियां मिलती रहीं। कुछ वकील रस्सा लगाकर सीजेएम कोर्ट का रास्ता रोके जाने से नाराज होकर नारेबाजी कर रहे थे। उनका कहना था कि माफिया को सबक सिखाने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए, न कि उसे इतने बड़े लाव–लश्कर में रखा जाना चाहिए। पेशी के दौरान भी बाहर नारेबाजी होती रही और उसे गालियां सुनाई जाती रहीं। जिस अतीक का नाम सुनकर लोग कांपते थे, नतमस्तक होते थे, उसे सबक सिखाने के लिए भीड़ पहली बार इतनी उतावली नजर आई। गुस्सा इस कदर था कि अपने अधिवक्ता साथी उमेश पाल की हत्या को लेकर तमतमाए सैकड़ों वकील कोर्ट से निकलने की उसकी राह देखते रहे। कोर्ट से 2.40 बजे अतीक और अशरफ कोर्ट से निकले तो 40 मीटर दूर खड़ी वैन तक सही–सलामत पहुंचाने में छक्के छूट गए। सीढिघ्यों से उतरने के बाद भीड़ को लपकते देख अशरफ तेजी से आगे बढ़ गया। अतीक के चेहरे पर भी हवाइयां उड़ती रहीं। अतीक पहली बार इतना बेबस और लाचार दिखा। जेलों से चलते थे फरमान कभी जेलों के भीतर से अतीक के एक फरमान पर किसी की भी रूह कांप जाया करती थी, उसकी अब तक 15 सौ करोड़ मूल्य की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। सात सौ बीघे में अलीना सिटी और अहमद सिटी बसाने का ख्वाब देखने वाला अतीक अब गुनाहों पर तरस खाता नजर आने लगा है। बीवी शाइस्ता परवीन भी 50 हजार की इनामी होकर फरार है तो दो नाबालिग बेटे ऐजम और अबान बाल गृह में रखे गए हैं। उमेश पाल हत्याकांड में फरार बेटे असद को मुठभेड़ में इस कदर मार गिराया जाएगा, उसने शायद कभी सोचना नहीं होगा।

नगर निकाय चुनावों के लिये तीसरे दिन भी जमकर बिके पर्चे : कुछ ने किया दाखिल किया पर्चा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 के तीसरे दिन जौनपुर नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष पद के लिए 06 अभ्यर्थियों द्वारा 12 सेट में, नगर पालिका परिषद शाहगंज के लिए 13 अभ्यर्थियों द्वारा 13 सेट में, नगर पालिका परिषद मुंगराबादशाहपुर 03 अभ्यर्थियों द्वारा 06 सेट में, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में 20 अभ्यर्थियों द्वारा 42 सेट में, नगर पंचायत कचगांव में 01 अभ्यार्थी द्वारा 01 सेट में, नगर पंचायत जफराबाद में 03 अभ्यर्थियों द्वारा 03 सेट में, नगर पंचायत खेतासराय में 07 अभ्यर्थियों द्वारा 09 सेट में, नगर पंचायत मछलीशहर में 06 अभ्यर्थियों द्वारा 15 सेट में, नगर पंचायत मड़ियाहूँ में 04 अभ्यर्थियों द्वारा 11 सेट में, नगर पंचायत रामपुर में 09 अभ्यर्थियों द्वारा 13 सेट में, नगर पंचायत बदलापुर में 12 अभ्यर्थियों द्वारा 13 सेट में, नगर पंचायत केराकत में 04 अभ्यर्थियों द्वारा 04 सेट में नामांकन पत्र क्रय किया। जौनपुर नगर पालिका परिषद में सदस्य के लिए 92 अभ्यर्थियों द्वारा 118 सेट में, नगर पालिका परिषद शाहगंज के लिए 53 अभ्यर्थियों द्वारा 66 सेट में, नगर पालिका परिषद मुंगराबादशाहपुर 28 अभ्यर्थियों द्वारा 40 सेट में, नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में 24 अभ्यर्थियों द्वारा 27 सेट में, नगर पंचायत कचगांव में 04 अभ्यर्थियों द्वारा 04 सेट में, नगर पंचायत जफराबाद में 11 अभ्यर्थियों द्वारा 11 सेट में,

नगर पंचायत खेतासराय में 17 अभ्यर्थियों द्वारा 17 सेट में, नगर पंचायत मछलीशहर में 42 अभ्यर्थियों द्वारा 42 सेट में, नगर पंचायत मड़ियाहूँ में 77 अभ्यर्थियों द्वारा 125 सेट में, नगर पंचायत रामपुर में 35 अभ्यर्थियों द्वारा 45 सेट में, नगर पंचायत बदलापुर में 18 अभ्यर्थियों द्वारा 18 सेट में, नगर पंचायत केराकत में 18 अभ्यर्थियों द्वारा 18 सेट में नामांकन पत्र क्रय किया गया। अध्यक्ष पद के लिए कुल 88 अभ्यर्थियों द्वारा 142 सेट में एवं सदस्य पद के लिए 419 अभ्यर्थियों द्वारा 531 सेट में नामांकन पत्र क्रय किया गया। नगर पालिका परिषद जौनपुर में सदस्य के लिए 03, नगर पालिका परिषद शाहगंज के लिए 01, नगर पंचायत कचगांव के लिए 03 एवं नगर पंचायत जफराबाद के लिए 02 प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र जमा किया गया। इस प्रकार सदस्य पद के लिए कुल 09 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र जमा किये गये।

मां के प्रति पूर्ण आस्था एवं विश्वास रखने से भक्तों की मनोकामना अवश्य पूर्ण हो जाती है –श्री देवी प्रसाद जी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पूर्वी उत्तर प्रदेश जौनपुर में विराजित मां शारदा शक्तिपीठ मैहर मंदिर में श्री श्री 108 श्री देवी प्रसाद जी महाराज का आगमन हुआ। भक्त शिरोमणि श्री देवी प्रसाद जी श्री शारदा शक्तिपीठासीन मैहर के प्रधान पुजारी है। श्री देवी प्रसाद जी से मिलने व दर्शन करने श्रद्धालु भरी संख्या में आए। आए हुए भक्त प्रधान पुजारी के द्वारा भजनों का आनंद उठाते भक्ति रस में रम गए। शक्तिपीठ 1993 में स्थापना पर श्री श्री 108 देवी प्रसाद जी महाराज का आगमन एवं प्राण प्रतिष्ठा माताजी का कराया था। माताजी का स्थापना करा कर उन्होंने कहा जो मां की ज्योति मैहर में है वही ज्योति यहां पर विराजमान है। जो भक्त वहां नहीं जा पाते हैं । वह भक्त यहां भी दर्शन कर सकते हैं और वही पुण्य प्राप्त कर सकते हैं। देवी प्रसाद जी ने मंदिर में आए भक्ति से मां के अध्यात्मिक स्वरुप का वर्णन किया। जीवन दर्शन के बारे में बताया। मां के प्रति पूर्ण आस्था एवं विश्वास रखने से भक्तों की मनोकामना अवश्य पूर्ण हो जाती है। भक्तों के समक्ष देवी प्रसाद जी ने संगीत के साथ गा कर बताए। देवी प्रसाद जी के द्वारा भजन कीर्तन गाकर पूरा मंदिर परिसर संगीतमय होगा। मंदिर के वरिष्ठ ट्रस्टी सत्य प्रकाश जी ने मैहर से आए श्री देवी प्रसाद जी का स्वागत चुनरी व माला पहनाकर किया। मैहर से आए सहयोगी गण का भी स्वागत किया गया। नगर में आपकी सूचना मिलते

ही भक्तजन भरी संख्या में आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर से प्रस्थान के बाद नव निर्मित मां शारदा तिराहा निकट रोडवेज पर जाकर उसका अवलोकन किया। श्री देवी प्रसाद जी महाराज ने इसको देखकर मंदिर ट्रस्ट के सभी ट्रस्टियों की प्रशंसा की और कहा आप सभी ने बाबू राधेश्याम जी की कीर्ति को बढ़ाया। इसी क्रम में महंत सूर्यप्रकाश जी को भी याद किया। इस अवसर पर जवाहर जायसवाल, अजय जयसवाल विजय जयसवाल राजीव जायसवाल, संदीप जायसवाल, आशुतोष जायसवाल, सुशील जायसवाल, रोहित जायसवाल नितिन, विनीत जायसवाल, ब्रम्हेश शुक्ला, सुरेन्द्र जायसवाल एवं भक्त गण उपस्थित रहे। मंदिर ट्रस्टी रविकांत जायसवाल (कलाविद) मंदिर में आए सभी का आभार व्यक्त किया।

आकांक्षा दुबे के साथ लिव इन रिलेशन से रिश्तों में दूरी तक : समर सिंह से पुलिस ने पूछे सवाल

वाराणसी ब्यूरो : भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी गायक समर सिंह उर्फ समरजीत को गुरुवार शाम सारनाथ थाने की पुलिस ने जिला जेल से कस्टडी रिमांड में लिया। रिमांड के पहले दिन पुलिस ने समर से 25 सवाल पूछे। पुलिस के सभी सवालों का सार यही रहा कि आखिर समर से जुड़ी हुई ऐसी कौन सी बात थी कि जिसके चलते आकांक्षा को आत्महत्या करना पड़ा। भदोही जिले के चौरी बाजार क्षेत्र बरदहां गांव की रहने वाली आकांक्षा दुबे बीते 26 मार्च को सारनाथ क्षेत्र स्थित एक होटल में मृत मिली थीं। आकांक्षा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में समर सिंह और उसके दोस्त संजय सिंह के खिलाफ सारनाथ थाने में मुकदमा दर्ज है। दोनों को गिरफ्तार कर अदालत के आदेश से जेल भेजा गया था। बुधवार को सारनाथ थाने की पुलिस के अनुरोध पर अदालत ने समर की पांच दिन की कस्टडी रिमांड मंजूर की थी। कस्टडी रिमांड के पहले दिन पुलिस ने समर से पूछा कि वह आकांक्षा के संपर्क में कब से और कैसे था? दोनों के बीच किस तरह के रिश्ते थे? दोनों के लिव इन रिलेशन में रहने की बात के पीछे की हकीकत क्या है? 23 म्यूजिक एलबम में साथ काम करने और एक–दूसरे के काफी करीब होने के बावजूद दोनों अचानक दूर क्यों हो गए? दोनों के बीच लेनदेन का क्या विवाद था और आकांक्षा का समर पर कितना बकाया था? आकांक्षा को धमकाने संबंधी बात के पीछे की सच्चाई क्या है? 25 मार्च की रात आकांक्षा से क्या बातचीत हुई थी? आकांक्षा आत्महत्या के लिए क्यों विवश हुई? समर सिंह को लखनऊ–मुंबई लेकर जाएगी पुलिस पूछताछ करने वाली पुलिस टीम के अनुसार समर का मोबाइल और आकांक्षा के साथ उसके फिल्म एग्रीमेंट व लेनदेन संबंधी कागजात को भी बरामद किया जाना बेहद जरूरी है। इसके लिए पूछताछ की प्रक्रिया पूरी होने के बाद समर सिंह को लखनऊ

और मुंबई के गोरेगांव स्थित उसके ऑफिस ले जाया जाएगा। खुद को बेकसूर बताता रहा समर पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के पहले दिन समर सिंह खुद को बेकसूर बताता रहा। पूछताछ में वह सहयोग तो कर रहा है, लेकिन घुमा–फिराकर यही दोहराने लग जा रहा था कि आकांक्षा की आत्महत्या से उसका कोई वास्ता नहीं है। अगर वह कसूरवार होता तो आकांक्षा सुसाइड नोट लिखतीं और उसे दोषी ठहरातीं। या फिर, अपने किसी अन्य करीबी को यह जरूर बताती कि वह समर के चलते आत्महत्या करने के लिए विवश हुई है। समर ने कहा कि उसका भविष्य बर्बाद करने के लिए उसे गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। कस्टडी रिमांड लेने में सुस्त दिखी सारनाथ थाने की पुलिस समर की पुलिस कस्टडी रिमांड की अवधि गुरुवार सुबह 10 बजे से शुरू हुई थी। इससे पहले बुधवार को पुलिस ने उसे सात दिन की कस्टडी रिमांड पर देने के लिए अदालत से अनुरोध किया था। लेकिन, गुरुवार को जब समर को कस्टडी रिमांड पर लेने की बारी आई तो सारनाथ थाने की पुलिस सुस्त दिखी और लगभग छह घंटे की देरी से शाम चार बजे जिला जेल पहुंची। इस संबंध में पूछे जाने पर पुलिस ने सफाई दी कि विवेचक मुकदमे से संबंधित साक्ष्य के संकलन की कार्रवाई में जुटे थे। इसी वजह से उन्हें जिला जेल पहुंचने में देरी हुई।

स्वस्थ पेशे की बीमार तस्वीर : 5000 में बताते हैं लड़का है या लड़की : फिर मां–बाप का जैसा फैसला

गोरखपुर ब्यूरो : गर्भ में बेटा है या बेटी। यह जानने की कीमत महज पांच हजार रुपये है। चौंकिए मत, यह बात सोलह आना सच है। बिचौलिए, लिंग परीक्षण के लिए बने कानून को तोड़कर इतनी ही रकम में लिंग परीक्षण करा रहे हैं। अगर बेटी है तो कई बार गर्भ में उसकी हत्या कर दी जाती है। उसकी जिंदगी खत्म करने के फेर में कई बार गर्भवती भी अपनी जान गंवा देती हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इसे रोकने की जिम्मेदारी लिए बैठा स्वास्थ्य महकमा कार्रवाई तभी करता है, जब मामला तूल पकड़े या फिर कोई आकर उनके दफ्तर तक शिकायत करें। खुद से विभाग को इसकी फिक्र नहीं है, जिस वजह से न चाहते हुए भी महिलाएं लिंग जांच कराकर खुद की और पेट में पल रहे शिशु की जिंदगी गंवा दे रही। चलिए, चलते हैं, शहर के एक ऐसे ही अल्ट्रासाउंड सेंटर पर। यह जिला अस्पताल से ज्यादा दूर नहीं है, पतली गली में जरूर जाना होगा। ऊपरी तल पर एक दुकान में अल्ट्रासाउंड सेंटर है। बाहर कुर्सी–मेज रखे हैं, जिस पर धूल को देखकर अंदाजा भी नहीं कर सकते, कि यहां पर कोई आता जाता होगा। थोड़ी देर बाहर खड़े होने पर एक युवक आता है और फिर सीधा सवाल किससे मिलना है। जैसे ही आप लिंग परीक्षण की इच्छा जाहिर करेंगे, आपसे मोलभाव शुरू होगा। रकम जमा करने के बाद सीधे ऊपर लेकर जाएगा और फिर लिंग परीक्षण कर बता दिया जाएगा कि पेट में पल रहा शिशु बेटा है या बेटी। हालांकि, इसकी कोई रशीद नहीं मिलेगा और न ही रिपोर्ट। मौखिक बताकर भेज दिया जाता है। यह हाल शहर में है, लेकिन अगर देहात में इसी काम को कराना है, तो बेहद आसान है। वहां पर पान वाला भी आप को बता देगा कि कहां पर जाने पर लिंग परीक्षण होगा और बिचौलिए कहां मिलेंगे। इन लोगों को न तो नियम कानून का डर है और न ही कोई रोकने वाला। शहर में रजिस्टर्ड 837 नर्सिंग होग, पैथॉलॉजी और अल्ट्रासाउंड सेंट गोरखपुर जिले का शायद ही कोई ऐसा चौराहा होगा, जहां पर आप को तीन से चार की संख्या में नर्सिंग होम न मिल जाए। लेकिन, रजिस्टर्ड की संख्या देखी जाए तो जिले में 837 अस्पताल, नर्सिंग होम, पैथालॉजी, अल्ट्रासाउंड सेंटर और क्लीनिक पंजीकृत हैं। इनमें 30 से 40 फीसदी अस्पताल ऐसे हैं, जिनके नाम पर अस्पताल पंजीकृत तो हैं, लेकिन यह लोग अस्पतालों में बैठते नहीं। शहर में सिर्फ 25 अस्पतालों को गर्भपात कराने का लाइसेंस जिलेभर में अस्पताल संचालित हो रहे है, लेकिन बात अगर नियमों की हो तो सिर्फ 25 अस्पतालों के पास ही मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) करने का अधिकार है। पीसीपीएनडी एक्ट के नोडल डॉ. एके सिंह बताते है, शहर में 25 स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों ने अस्पताल रजिस्ट्रेशन के समय एमटीपी के लिए आवेदन किया था, जिनको विभाग की तरफ से अनुमति है। सिर्फ परिस्थितियों में करा सकते है गर्भपात पूर्व गर्भाधान और प्रसव पूर्व

निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) के नोडल अधिकारी डॉ. एके सिंह के मुताबिक, एमटीपी एक्ट के तहत 12 सप्ताह की गर्भवती खुद गर्भपात करवा सकती है। इसके अलावा कई शर्तें हैं। 12 से लेकर 24 सप्ताह के बीच गर्भवती को शर्तों के साथ गर्भपात कराने का अधिकार है। लेकिन, इसके लिए वाजिब वजह सीएमओ और उनकी कमेटी को बतानी होती है। अविवाहित के लिए समय सीमा 24 सप्ताह है। रिकॉर्ड में सिर्फ दो ही गर्भपात हुए सरकारी रिकॉर्ड में इस साल दो मामलों में गर्भपात कराया गया है। दोनों दुष्कर्म पीड़िता थी ओर दोनों ही मामलों में कोर्ट का आदेश था। दोनों मामलों में मेडिकल बोर्ड का गठन भी किया गया था। बोर्ड ने मरीज के सभी जांच के बाद गर्भपात का फैसला लिया था। पहले भी गई जान, पकड़े गए हैं मामले 05 जनवरी 2023ः भटहट स्थित सत्यम हॉस्पिटल में महिला का गर्भपात कराया गया था। इस दौरान महिला की तबीयत बिगड़ी, तो झोलाछाप ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। लेकिन, इससे पहले अस्पताल में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर संचालक और कथित डॉक्टर रंजीत, उसके सहयोगी सत्येंद्र शर्मा, नर्स सहित चार लोगों को जेल भेजा था। 19 फरवरी 2023ः उरुवा के केबी मेमोरियल हॉस्पिटल में प्रसूता की मौत हुई। आरोप लगा कि गलत ऑपरेशन से हालत बिगड़ी और फिर मरीज को आनन फानन सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन, महिला की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में डॉ. मनीष सहित अन्य लोगों पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। गोला बाजार के मां हॉस्पिटल पर पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन से भ्रूण के लिंग जांच की जाती थी। विभाग ने अल्ट्रासाउंड मशीन सील किया था। इसके अलावा मोगलहा, भटहट में भी मामला पकड़ा जा चुका है। लिंग परीक्षण करवाने वालों को भी जाना पड़ सकता है जेल लिंग परीक्षण करने के साथ ही करवाने वाले पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। गर्भपात से पहले पकड़े जाने पर तीन साल कैद और दस हजार से एक लाख रुपये तक जुर्माना का प्रावधान है। इसके अलावा गर्भपात कराने के बाद पुलिस धारा 313 के तहत केस दर्ज कर सकती है, अगर गर्भवती के मर्जी के बिना गर्भपात कराया गया है, तो आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान हैं। इसके अलावा गर्भवती की मौत हो गई तो परिवार को धारा 314 के तहत आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। पीसीपीएनडीटी एक्ट नोडल अधिकारी डॉ. एके सिंह ने कहा कि अभियान चलाकर ऐसे सेंटरों पर कार्रवाई की जाएगी। जांच में कई बिना पंजीकरण के सेंटर मिलने पर पूर्व में भी कार्रवाई की जा चुकी है। एक ऑडियो भी सामने आया है, उसकी भी जांच कराई जाएगी।

वलीउल्लाह को विस्फोट की साजिश में उम्रकैद : 17 साल पहले वाराणसी में धमाके का रचा था षड्यंत्र

लखनऊ ब्यूरो : 17 साल पहले वाराणसी में होली पर बम की साजिश रचने आरडीएक्स, डेटोनेटर एवं विदेशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किए गए आतंकी वलीउल्लाह को दो अलग–अलग आरोपों में एनआईए कोर्ट ने आजीवन कारावास और 10–10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। एनआईए के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने वलीउल्लाह को बुधवार को इस मामले में दोषी ठहराया था। बृहस्पतिवार को अभियोजन की ओर से सरकारी वकील एमके सिंह ने वलीउल्लाह कड़ी सजा दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वलीउल्लाह बहुत ही खतरनाक आतंकी है, जिसके बांग्लादेशी आतंकियों और जैश ए मोहम्मद की शाखा हरकत उल जिहाद अल इस्लामी से भी संबंध है। सरकारी वकील ने कोर्ट में बताया कि वलीउल्लाह ने वाराणसी के विश्व प्रसिद्ध संकट मोचन मंदिर, दशाश्वमेध घाट एवं वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन में सीरियल बम विस्फोट किया था। जिसमें 18 लोगो की मौत हो गई थी तथा 76 लोग घायल हुए थे।

इस मामले में गाजियाबाद कोर्ट पहले ही उसे मृत्युदंड की सजा सुना चुकी है। वहीं आरोपी की ओर से उसे कम से कम सजा दिये जाने की मांग करते हुए कहा गया कि उसकी उम्र काफी ज्यादा हो चुकी है और साथ ही वह इस मामले में 17 वर्षों से जेल में है।

रेलवे स्टेशन पर लाखों रुपए के साथ दो संदिग्ध पकड़े गए : एमपी के रहने वाले हैं दोनों युवक

मिर्जापुर ब्यूरो : जीआरपी मिर्जापुर ने गुरुवार की रात को रेलवे स्टेशन मिर्जापुर के प्लेटफार्म नंबर दो से दो लोगों को 29 लाख नकदी के साथ पकड़ा है। जीआरपी ने पूछताछ के बाद जांच के लिए आयकर विभाग को सूचना दिया। जांच के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। जीआरपी थाना प्रभारी अनिल कुमार त्रिपाठी रात को साढ़े दस बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर दो पर गश्त कर रहे थे। तभी दो सन्दिग्ध युवक रेलवे स्टेशन पर मिले। उनके पास एक–एक बैग था। जीआरपी को देख युवक वहां से निकलना चाहा। शक होने पर जीआरपी टीम ने उनकी तलाशी ली तो बैग से 29 लाख रुपये नकद बरामद हुआ। जीआरपी ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया इसके बाद पैसे की जांच के लिए इनकम टैक्स की टीम को सूचना दिया। जीआरपी प्रभारी अनिल त्रिपाठी ने बताया कि दो युवकों को 29 लाख नकदी के साथ पकड़ा गया है। दोनों के पास बैग से पैसा बरामद हुआ

है। पूछताछ में बताया कि दोनों रीवा मध्यप्रदेश के रहने वाले है। वहां ज्वेलरी की दुकान में काम करते है। ज्वेलरी लेने के लिए पश्चिम बंगाल जा रहे थे। इनकम टैक्स विभाग को सूचना दिया गया है। जो नकद पैसे की जांच करेंगे। जांच के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी ने पति की हंसिया से गला काटकर की हत्या : दो मई को थी बेटी की शादी

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली सामने आई है। यहां बांसगांव थाना क्षेत्र के महिलवार गांव में बुधवार रात संपत्ति के लालच में पत्नी ने पति रमेश मौर्या (45) की हंसिया से गला काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने रमेश के पिता गुलाब की तहरीर पर आरोपी पत्नी रीता के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। हत्या में इस्तेमाल हंसिया बरामद कर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया। रीता रमेश की दूसरी पत्नी है। जानकारी के मुताबिक, रमेश पंजाब में रहकर टाइल्स लगाने का काम करते थे। पहली पत्नी गिरजा की मौत हो चुकी है। करीब 14 साल पहले उसने रीता से दूसरी शादी की थी। पहली पत्नी से एक बेटा सर्वेश और दो बेटियां सुप्रिया व प्रियांजलि हैं। इसमें सुप्रिया बड़ी है। वहीं, दूसरी पत्नी रीता से एक बेटा समीर है। बड़ी बेटी सुप्रिया की दो मई को शादी होनी है। इसके के दान–दहेज को लेकर रीता रमेश से विवाद करने लगी थी। नौ फरवरी को ही रमेश शादी की तैयार के लिए घर आ गया था। तभी से विवाद चल रहा था। बुधवार रात दोनों के बीच एक बार फिर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि रीता शौच के बहाने बाहर गई और फिर घर में रखा हंसिया लेकर आई।

उसने पति रमेश को बाहर बुलाया और दोनों में एक बार फिर बहस हो गई। पति ऊकडू बैठ गया, इसके बाद रीता ने ताबड़तोड़ गर्दन पर हंसिया से तीन वार किया, जिससे रमेश की मौके पर ही मौत हो गई। घर में अचानक हुए शोर से सब जग और बहू को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। एसओ दीपक सिंह ने बताया कि आरोपी पर केस दर्ज किया गया है। एसपी साउथ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि बड़ी बेटी की शादी से दूसरी पत्नी काफी नाराज थी। उसे लग रहा था कि उसके हिस्से की रकम को भी खर्च किया जा रहा है। इसी बात पर पति पर उसने हंसिया से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बायोगैस प्लांट की क्षमता बढ़ी : प्रतिदिन 1100 किलो गैस का उत्पादन

वाराणसी ब्यूरो : शाहंशाहपुर में लगा बायोगैस प्लांट अब पूरी क्षमता से चलने लगा है। अब यहां 90 टन गोबर के उपयोग से 1100 किलो कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) तैयार की जा रही है। जबकि पहले 55 टन गोबर के उपयोग से 650 किलो कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) बनाया जाता था। हालांकि नेपियर घास व चीनी मिलों से निकलने वाला वेस्ट के अभाव में उत्पादन पर कुछ असर पड़ रहा है। प्लांट के पूरी क्षमता से चलने से किसानों को फायदा मिल रहा है। शाहंशाहपुर में सीबीजी गैस उत्पादन क्षमता वाले प्लांट का निर्माण सात एकड़ क्षेत्रफल में 23 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसमें प्रतिदिन 90 टन गोबर, प्रेसमड (चीनी मिलों से निकलने वाला वेस्ट) और नेपियर घास की जरूरत पड़ती है। लेकिन प्रेसमड और नेपियर घास न मिलने से प्लांट क्षमता के अनुसार उत्पादन नहीं कर पा रहा है। प्लांट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश प्रभु ने बताया कि प्लांट की क्षमता 3001 किलो सीबीसी गैस उत्पादन की है। बशर्ते इसके लिए 90 टन गोबर के साथ 30 टन नेपियर घास और 20 टन प्रेसमड (चीनी मिलों से निकलने वाला वेस्ट) की जरूरत होगी। है जो अभी मिल नहीं पा रही है। अभी प्रेसमड और नेपियर घास नहीं मिल पा रही है। नेपियर घास की खेती के लिए पशुपालन विभाग से जमीन की मांग की गई है। कुछ चीनी मिलों से प्रेसमड खरीदने के के लिए बातचीत की गई है। इनकों मिलता है लाभ प्लांट में तैयार गैस 600 किलो गेल इंडिया को 70 रुपये प्रति किलो के दर से और 500 किलो गैस वाहन चालकों को 76 रुपये प्रति किलो दर से बेचा जाता है। शहर के मुकाबले यहां गैस 6 से 7 रुपये सस्ता पड़ती है। प्लांट अभी केवल गोबर से चल रहा है। रोजाना 90 टन गोबर आसपास के किसानों से खरीदा जा रहा है। जैविक खाद का हो रहा उत्पादन प्लांट प्रतिदिन 18 टन ठोस जैविक खाद और 55 हजार लीटर तक तरल खाद तैयार की जाती है। इसे किसानों को ही रियायत दर पर बेचा जाता है। यह खाद खेती के लिए बेहतर मानी जाती है।

एमबीबीएस के चार छात्र निलंबित : हॉस्टल से भी निकाले गए

गोरखपुर ब्यूरो : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में प्रशासन ने चार एमबीबीएस छात्रों को निलंबित कर दिया। यह सभी छात्र वर्ष 2019 बैच के हैं। सभी पर एम्स कैंपस में धरना की अगुवाई करने और मीडिया को सूचना देने का आरोप है। बताया जाता है कि चारों छात्रों को अलग–अलग सजा दी गई है। इन्हें सात दिन से लेकर एक महीने तक निलंबित कर

दिया गया है। उनमें से एक छात्र को हमेशा के लिए हॉस्टल से निष्कासित कर दिया गया है। क्लास के अलावा अन्य समय में उसे कैंपस में घूमने पर रोक लगा दी गई है। शेष तीन छात्रों को 15 दिन से लेकर तीन महीने तक हॉस्टल से बाहर किया गया है। छात्रों ने इस कार्रवाई के खिलाफ कोर्ट जाने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक, 28 और 29 मार्च को एम्स गेट खुलने का समय बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर छात्रों ने धरना दिया था। उनकी मांग थी कि हॉस्टल को रात 11:30 बजे तक खुला रखा जाए। जबकि, एम्स में रात नौ बजे के बाद हॉस्टल के गेट बंद हो जा रहे थे। इसके बाद छात्रों को देर रात समझा कर हॉस्टल में भेजा गया था। एम्स की ओर से सभी के अभिभावकों को भी पत्र भेजा गया था। एम्स प्रशासन की ओर से कार्रवाई की गई है। एम्स रजिस्ट्रार डॉ. अमित रंजन ने कहा कि यह कार्रवाई अनुशासन समिति ने की है। समिति में एमएमएमयूटी के प्रॉक्टर भी बतौर सदस्य मौजूद रहे। इस कार्रवाई में कोशिश की गई है कि छात्रों का भविष्य बर्बाद न हो। उनके शैक्षणिक सत्र पर असर न पड़े। इसके साथ ही अनुशासनहीनता पर लगाम लगे।

शाहजहांपुर में शिवम् जौहरी हत्याकांड के आरोपियों पर कार्रवाई की मांग : दिया ज्ञापन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : श्री चित्र गुप्त सेवा धाम ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में शाहजहाँपुर के शिवम् जौहरी हत्याकांड के अभियुक्तों पर सख्त कार्रवाई करने के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित ज्ञापन शाहाबाद के उपजिलाधिकारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि 11 अप्रैल को जनपद शाहजहाँपुर मुख्यालय पर स्थित एक गोदाम में शिवम् जौहरी की डंडों से पीट पीटकर हुई हत्या ने तालिबानी आतंक की याद दिला दी। जहाँ एक ओर प्रदेश सरकार माफियाओं को मिट्टी में मिला रही है। वहीं दूसरी ओर जनपद शाहजहाँपुर में व्यापारी नेता नीरज गुप्ता और उसके अपराधी साथियों ने 32 वर्ष के एक युवक शिवम् जौहरी को गोदाम में पीट पीटकर मौत के घाट उतार दिया। ज्ञापन में मांग की गई कि शिवम जौहरी हत्याकांड के अभि युक्तों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। शिवम् जौहरी (मृतक के परिजनों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुलिस के उच्चाधिकारियों को निर्देशित करें। तथा मृतक के परिवार को 50

लाख की आर्थिक सहायता दी जाए और परिवार के एक सदस्य को राजकीय सेवा प्रदान करें। ज्ञापनदाताओं में सत्यम सक्सेना, कृष्णा कांत श्रीवास्तव, प्रभाकर बाजपेई,सुखदेव अग्निहोत्री, अनोद कुमार अग्निहोत्री, संजय कुमार अग्निहोत्री, सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव,शिव प्रसाद श्रीवास्तव,मोहित दीक्षित, आकाश दीप श्रीवास्तव सहित अनेक लोग सम्मिलित रहे।

निस्वार्थ भाव से एकजुट रहकर कार्य करें समाजसेवी –राघवेंद्र शुक्ला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति से सम्बद्ध विनीत खंड जन कल्याण समिति की बैठक खत्री भवन विनीत खंड 2 में संपन्न हुई इसमें गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ल ने सभी को निस्वार्थ भाव से एकजुट रहकर काम करने के लिए कहा और महासमिति की उपलब्धियां जैसे कपड़ा बैंक, दवा बैंक, सेनेटरी पैड वितरण, क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, ग्रीन गैस कनेक्शन, ओपन जिम और विनीत खंड को खरगापुर से जोड़ने वाली क्रॉसिंग पर आरओबी बनने एवं गोमती नगर की 18 सड़कों को नगर निगम से पीडब्ल्यूडी में ट्रांसफर एवं अन्य उपलब्धियों के बारे में सभी को अवगत कराया विनीत खंड जन कल्याण समिति के मनोज कुमार मिश्रा एवं नंदिनी मिश्रा ने क्षेत्र की कई समस्याओं से महासमिति को अवगत कराएं जिसमें

पार्कों की साफ–सफाई, विनीत खंड के सभी नालियों को नाले से जोड़ने एवं बंद नालियों को फिर से शुरू करने के लिए, पार्क बाउंड्री वाल, एवं विनीत खंड 3 में 3/1डी के सामने बंद नालें एवं बंध रोड के विषय में विस्तृत रूप से बताया सभी समस्याओं को सुनकर महासचिव जी ने जल्दी निस्तारण के आश्वासन दिए हैं।

तीन सौ से अधिक बैंक खाते मिले : माफिया के दो हजार करोड़ से अधिक के साम्राज्य का चला पता

प्रयागराज ब्यूरो : माफिया अतीक अहमद के करीबियों के ठिकानों पर मिले जमीनों की रजिस्ट्री के दस्तावेजों, सेल कंपनियों के कागजों की सघन छानबीन बृहस्पतिवार को भी जारी रही। ईडी ने अतीक के कई और करीबी बिल्डरों को चिह्नित किया है। अतीक की रंगदारी से भरे गए खजाने को रियल एस्टेट के धंधे में खपाने वाले कई और बिल्डरों को चिह्नित किया गया है। इन बिल्डरों पर जल्द ही शिकंजा कसने के आसार हैं। माफिया के काले धन को रियल स्टेट में लगाने वाले कई रसूखदार बिल्डरों के नामों का पता चला है। माफिया और उसके गुर्गे विवादित जमीनों को हथिया कर सस्ते दामों पर इन बिल्डरों देते भी रहे हैं। साथ ही व्यापारियों, चिकित्सकों और उद्योगपतियों से वसूली जाने वाली रकम को रियल एस्टेट में लगाया जाता था। इस रकम से शहर में कई बड़े अपार्टमेंट, आवासीय परियोजनाओं के अलावा मॉल और बहुउद्देश्यीय बाजार बसाए गए हैं। इसके अलावा कई बड़े प्रोजेक्ट प्रस्तावित हैं और उन पर माफिया के करोड़ों रुपये निवेश किए जा चुके हैं। ईडी अब माफिया की बी टीम के ऐसे करीबियों पर भी जल्द ही शिकंजा कस सकती है। उधार , एक दिन पहले जिन 15 करीबियों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

की गई थी, उनके दफ्तरों से कई सपंत्तियों के दस्तावेज बृहस्पतिवार को भी खंगाले गए। अब तक तीन सौ से अधिक बैंक खातों का पता चला है। उन खातों से हुए लेनदेन का विवरण जुटाया जा रहा है। इसके अलावा अतीक की दो हजार करोड़ रुपये से अधिक की बेनामी संपत्ति का भी पता चला है। इन संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई जल्द ही शुरू की जा सकती है। फिलहाल अतीक के एकाउंटेट सीताराम शुक्ला,फाइनेंसर खालिद जफर, बड़े बिल्डर संजीव अग्रवाल, शोरूम मालिक अमित भार्गव समेत उसके 15 करीबियों पर ईडी का शिकंजा और कस सकता है। ईडी को पता चला है कि इन धन कुबेरों ने अपने बड़े आर्थिक साम्राज्य को माफिया अतीक अहमद की मदद से ही खड़ा किया है। ऐसे में इन धन कुबेरों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।